इलाहाबाद विश्वविद्यालय

कला संकाय

मध्यकालीन एवम् आधुनिक इतिहास विभाग

व्याख्यान सूची

(2012–13)

बी० ए० प्रथम भाग

विषय (क) मध्यकालीन इतिहास

(ख) आधुनिक इतिहास

बी॰ ए॰ प्रथम भाग

मध्यकालीन एवम् आधुनिक इतिहास

व्याख्यान सूची

आवश्यक सूचना :

प्रथम व द्वितीय प्रश्नपत्रो में प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न एवम् कुल दस प्रश्न होंगे। परिक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न एवम् कुल पाँच प्रश्न करने होंगे।

प्रथम प्रश्नपत्र : भारतीय संस्कृति

(यह प्रश्नपत्र सभी विद्यार्थियों के लिये है।)

इकाई 1 : प्राचीन भारतीय संस्कृति का विकास

1. संस्कृति की व्याख्या : संस्कृति का तात्पर्य; एक प्रक्रिया के रूप में संस्कृति; संस्कृति व सभ्यता; संस्कृति के उपागम – अनेकता में एकता, समवेत् संस्कृति, जनप्रिय व अभिजनवर्गीय संस्कृति।
2. भारतीय संस्कृति के आधार : अध्ययन के स्रोत; भौगोलिक व प्रजातीय कारक; प्रमुख भाषा परिवारों का उदय– भारतीय-आर्य, द्रविड़ एवम् अन्य भाषा परिवार।
3. प्राग्–इतिहास एवम् आद्य-इतिहास : प्रागैतिहासिक सस्कृतियों का सर्वेक्षण; सैन्धव सभ्यता – प्रमुख स्थल, सामाजिक व आर्थिक जीवन, कला, वास्तुकला व नगर नियोजन, अवसान।
4. वैदिक युग एवम् उत्तर-वैदिक युग : धार्मिक विचार व प्रथाएं; राजनीतिक संस्थाएं, सामाजिक व सांस्कृतिक जीवन, शिक्षा, महिलाओं की स्थिति; जाति व्यवस्था का विकास व विशेषताएं।
5. मतान्तरों का विकास : बौद्ध धर्म एवम् जैन धर्म का उद्भव, उनकी प्रमुख विशेषताएं; उनके सम्प्रदायों का विकास, उनका प्रभाव, उनके अवसान के कारक।

इकाई 2 : साम्राज्यों के युग में समाज एवम् संस्कृति

1. मौर्य युग एवम् मौर्योत्तर काल : कला, वास्तुकला, साहित्य व संगीत का विकास।
2. गुप्तकालीन संस्कृति : वास्तुकला, शिल्पकला, चित्रकला, साहित्य व संगीत। क्या गुप्तकाल एक 'स्वर्णिम' युग था?
3. दक्षिण भारत : संगम युग में साहित्य व समाज; पल्लवों व चोलों के काल में सांस्कृतिक विकास।
4. गुप्तोत्तर काल : समाज व संस्कृति; एशिया से भारतीय सांस्कृतिक सम्पर्क।
5. दर्शन एवं वैज्ञानिक विधाएं : प्राचीन भारतीय दर्शन के सम्प्रदाय; शंकराचार्य व हिन्दू धर्म की पुनर्व्याख्या; वैज्ञानिक ज्ञान व विचार।

इकाई 3 : मध्यकालीन भारत में सामाजिक एवम् सांस्कृतिक सामंजस्य

1. भारत में इस्लाम : इस्लाम का आगमन; भारतीय समाज पर इस्लाम का प्रभाव; सांस्कृतिक समन्वय में इस्लाम का योगदान।
2. भक्ति आन्दोलन : स्रोत व विकास, आधारभूत विचार; भक्ति आन्दोलन के विभिन्न सम्प्रदाय; समाज पर प्रभाव।
3. सूफीवाद : भारत में सूफीवाद का आगमन व विकास; प्रमुख सूफी सिलसिले व उनके विचार; सूफीवाद का योगदान।
4. मध्यकालीन वास्तुकला : सल्तनतकालीन; मुगलकालीन व दक्षिण भारतीय वास्तुशैलियों का विकास, विशेषताएं तथा प्रभाव।
5. चित्रकला का विकास : प्रारम्भिक मध्यकाल की विरासत; मुगल चित्रकला; राजपूत व अन्य शैलियाँ ('कलमें')।

इकाई 4 : मध्यकालीन समाज एवम् संस्कृति के विविध पक्ष

1. भाषा एवम् साहित्य : प्राकृत व क्षेत्रीय भाषाओं के विकास का सर्वेक्षण; फारसी, हिन्दी व उर्दू सहित्य का विकास।
2. बौद्धिक अनुशीलन एवम् संगीत : शिक्षा व विद्यार्जन; संगीत की शास्त्रीय एवम् जनप्रिय शैलियों का विकास व विशेषताएं।
3. मध्यकालीन समाज : दैनन्दिन जीवन; सामाजिक वर्ग–विभाजन; महिलाओं की स्थिति।
4. उत्तरवर्ती अठारहवीं शताब्दी : नगरीकरण व नगर संस्कृति; ग्रामीण समाज व ग्राम्य जीवन; सामाजिक विचार; क्षेत्रीय संस्कृतियों की अभिव्यक्ति।
5. प्रारम्भिक औपनिवेशिक काल : पश्चिम से नवीन विचारों का आगमन; सुधारवादी विचारों व आन्दोंलनों का उदय; प्रारम्भिक उन्नीसवीं शताब्दी की 'नव जागृति' के देशज स्रोत; राजा राममोहन राय की भूमिका।

इकाई 5 : आधुनिक भारत में समाज एवम् संस्कृति का सर्वेक्षण

1. नवीन सामाजिक एवम् धार्मिक दिशाएं : हिन्दुओं, सिखों व पारसियों के सामाजिक–धार्मिक आन्दोलन; ईसाई धर्म का प्रभाव; मुस्लिमों व पिछड़े वर्गों के सामाजिक आन्दोलन।
2. शिक्षा, आधुनिकता एवम् नवीन विचार : पारम्परिक शिक्षा की नियति व आधुनिक शिक्षा का विकास; सामाजिक–सांस्कृतिक सन्दर्भ में आधुनिकता का तात्पर्य व उसके प्रभाव की समीक्षा; राष्ट्रवाद के परिप्रेक्ष्य में बौद्धिक व दार्शनिक प्रवृत्तियां।
3. सात्यि एवम् कलाएं : हिन्दी, उर्दू व अन्य भारतीय भाषाओं व साहित्यों के विकास का सिंहावलोकन; शास्त्रीय, लोक व जनप्रिय कला एवम् संगीत, प्रदर्शन कलाओं व सिनेमा की प्रवृत्तियों को सर्वेक्षण।
4. सामाजिक परिस्थितियों एवं परिवर्तनकारी आन्दोलन : जनजातीय समुदाय, महिलाएं व दलित वर्ग; महात्मा गांधी एवम् डा0 बी0आर0 अम्बेडकर के विचार व योगदान।
5. पुनरावलोकन : भारतीय संस्कृति की सारभूत विशिष्टताएँ; विश्व परिप्रेक्ष्य में भारतीय संस्कृति।

संस्तुत पुस्तकें :–

1. A.L. Basham (ed) : *The Cultural History of India.*
2. A.L. Basham : *The Wonder that was India* (हिन्दी अनुवादः अद्भुत भारत)
3. Radha Kamal Mukhejee: *The Culture and Art of India.* (हिन्दी अनुवाद : भारत की संस्कृतिक औरी कला)
4. Tara Chand : *The Influence of Islam of India Culture.*
5. Yusuf Hussain : *Glimpses of Medieval Indian Culture.*
6. H.k. Sherwani; *Cultrual Trends in Medieval India.*
7. S. Krishnaswamy Aiyanger : *Contribution of South India to Indian Culture.*
8. B. Kuppuswamy : *Social Change in India.*
9. C.H. Heimsath : *Indian Natioinalism and Hindu Social Reform.*
10. L.A. Gordon & B.S. Miller: *A Syllabus of Indian Civilisation.*
11. P.N. Chopra, B.N. Puri & M.N. Das : *A Social, Cultural and Economic History of India.* (हिन्दी अनुवाद : *भारत का सामाजिक, सांस्कृतिक एवम् आर्थिक इतिहास।*)
12. सत्यकेतु विद्यालंकार : *भारतीय संस्कृति का विकास*।
13. Ramchandra Guha : *India After Gandhi.*

बी० ए० प्रथम भाग (क्रमशः)

द्वितीय (क) प्रश्नपत्र : मध्यकालीन भारत का इतिहास (1206–1526)

(यह प्रश्नपत्र केवल मध्यकालीन इतिहास के विद्यार्थियों के लिए है।)

इकाई 1 : भारत में तुर्की सत्ता की स्थापना

1. भारत में इस्लाम के पदार्पण का विहंगम वृत्त, सिन्ध में अरब विजय, पंजाब में तुर्की सत्ता का प्रसार तथा महमूद गजनवी के भारतीय अभियान।
2. मुहम्मद गौरी के आक्रमण के समय भारत की दशा।
3. मुहम्मद गौरी : प्रारम्भिक जीवन, भारतीय आभियान, तरायन के प्रथम एवं द्वितीय युद्ध।
4. राजपूतों की पराजय तथा तुर्कों की विजय के कारण, तुर्क विजय का महत्व।
5. दिल्ली सल्तनत का उदय तथा कुतुबुद्दीन ऐबक का शासन (1206–10)।

इकाई 2 : दिल्ली का सल्तनत का विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण

1. शम्सुदीन इल्तुतमिश (1210–36) : प्रारम्भिक जीवन, सिंहासनारोहण, समस्याएँ, राज्य का विस्तार, इल्तुतमिश की उपलब्धियाँ।
2. इल्तुतमिश के उत्तराधिकी (1236–66), व विशेषत : रज़िया (1236–40), नासिरुदीन महमूद (1246–66)।
3. गयासुद्दीन बलबन (1266–87) : प्रारम्भिक जीवन, सिंहासनारोहण, मंगोल समस्या, लौह और रक्त की नीति।
4. बलबन का राजत्व सिद्धान्त, बलबन का योगदान।
5. कैकुबाद (1287–90), इल्बारी शासन का अन्त।

इकाई 3 : सल्तनत का वैभव काल।

1. खलजी वंश की स्थापना, जलालुद्दीन फिराज शाह खलजी (1290–96)।
2. अलाउद्दीन खलजी (1296–1316) : प्रारम्भिक जीवन, सिंहासनरोहण, राजत्व सिद्धान्त, मंगोल समस्या।
3. अलाउद्दीन खलजी : दक्षिणी नीति, बाजार नियंत्रण प्रणाली तथा भू–राजस्व व्यवस्था।
4. गयासुद्दीन तुगलक (1320–25) : तुगलक वंश के शासन की स्थापना, प्रशासनिक कार्य
5. मुहम्मद बिन तुगलक : प्रशासकीय सुधार, विद्रोह, चरित्र, मूल्यांकन।

इकाई 4 : सल्तनत का अवसान काल तथा क्षेत्रीय राज्यों का उत्कर्ष

1. फिरोज शाह तुगलक (1351–88) : सिंहासनारोहण, प्रशासकीय सुधार, उपलब्धियाँ।
2. तुगलक सत्ता का अवसान : फिरोज तुगलक का उत्तरदायित्व।
3. तैमूर का आक्रमण तथा दिल्ली सल्तनत का विघटन।
4. बहमनी राज्य (1347–1527) : सामाजिक और आर्थिक जीवन।
5. विजयनगर साम्राज्य (1326–1565) : सामाजिक और आर्थिक जीवन, शासन प्रणाली।

इकाई 5 : सैय्यद वंश तथा प्रथम अफगान राज्य की स्थापना

1. सैय्यद वंश (1414–51) का उत्थान एवं पतन।
2. बहलोल मोदी (1451–89) : प्रारम्भिक जीवन, लोदी राज्य की स्थापना।
3. सिकन्दी लोदी (1489–1517) : सल्तनत का विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण, उपलब्धियाँ; इब्राहीम लोदी (1517–26): अमीरों से सम्बन्ध।
4. पानीपत का प्रथम युद्ध (1526) : इब्राहीम लोदी की पराजय एवं मृत्यु; दिल्ली सल्तनत का अन्त।

संस्तुत पुस्तकें

1. M. Habib and K.A. Nizami : *A Comprehensive History of India. Vol. V.*
2. M. Habib and K.A. Nizami : दिल्ल सल्तनत
3. Peter Jackson : *Delhi Sultanate – A Political and Military*
4. A.B. Pandey :*Early Medieval India*
5. A. B. Pandey : पूर्व मध्यकालीन भारत का इतिहास
6. Satish Chandra : *From Sultanate to Mughal (Delhi, 1999)*
7. Satish Chandra : *सल्तनत से मुगल*।

बी॰ ए॰ प्रथम भाग (क्रमशः)

द्वितीय (ख) प्रश्नपत्र : आधुनिक भारत का इतिहास (1740–1857)

(यह प्रश्नपत्र केवल आधुनिक इतिहास के विद्यार्थियों के लिए है।)

इकाई 1 : भारत में ब्रिटिश सत्ता की स्थापना का प्रारम्भिक चरण (1740–1784)

1. प्रायः 1740 में भारतीय उप–महाद्वीप की राजनीतिक परिस्थितियाँ; प्रथम, द्वितीय व तृतीय आंग्ल–फ्रांसीसी (कर्नाटक) युद्ध–पृष्ठभूमि, गतिक्रम, परिणाम, फ्रांसीसी पराभव के कारण, पलासी का युद्ध – पृष्ठभूमि, परिणाम (1757–60)।
2. पानीपत का तृतीय युद्ध – पृष्ठभूमि, महत्त्व; उत्तर–पानीपत मराठा परिस्थिति एवम् पेशवा माधव राव की उपलब्धियाँ (1761–72); हैदर अली (मैसूर) – उत्कर्ष, प्रभाव–विस्तार, प्रथम आंग्ल–मैसूर युद्ध की पृष्ठभूमि एवम् परिणाम।
3. नवाब मीर कासिम (बंगाल) – पदारोहण व नीतियाँ, ईस्ट इण्डिया कम्पनी से सम्बन्ध, बक्सर का युद्ध; इलाहाबाद की सन्धियाँ (1765) – प्रावधन, महत्तव; बंगाल में द्वैध शासन– द्वैध शासन का स्परूप, क्लाइव की भूमिका व कृतित्व का मूल्यांकन, उत्तर–क्लाइव अवधि में द्वैध शासन की समस्याएँ व ब्रिटेन में आलोचना।
4. विनियमन (रेग्यूलेटिंग) अधिनियम (1773) – प्रावधान व मूल्यांकेन; वॉरेन हेस्टिंगंज का कार्यकाल (1772–85) – प्रशासनिक, न्यायिक एवम् राजस्व–सम्बन्धी उपाय, विवादास्पद कार्य एवम् महाभियोग, कृतित्व का मूल्यांकन।
5. प्रथम आंग्ल–मराठा युद्ध (1775–82) एवम् द्वितीय आंग्ल–मैसूर युद्ध (1780–84) – पृष्ठभूमि, गतिक्रम, परिणाम, आंग्ल–अवध सम्बन्ध (1765–97)।

इकाई 2 : भारत में ब्रिटिश साम्राज्य का विस्तार (1784–1807)

1. पिट का भारत अधिनियम (1784) – पृष्ठभूमि, प्रावधान व महत्व; 1793 का अधिकारपत्र (चार्टर) अधिनियम–पृष्ठभूमि, प्रावधान व महत्व।
2. लॉर्ड कॉर्नवॉलिस का कार्यकाल (1786–93) – प्रशासनिक, न्यायिक व वाणिज्यीय उपाय, राजस्व नीति व स्थायी भू–व्यवस्था, कृतित्व का मूल्यांकन।
3. 1765 से 1798 की अवधि में गुगल सम्राट व भारतीय राज्यों के प्रति ईस्ट इण्डिया कम्पनी की नीति का पुनरावलोकन; लॉर्ड वॅलॅज्ली का कार्यकाल (1798–1805)– सहायक सन्धि व्यवस्था; मुगल सम्राट, अवध, हैदराबाद व अन्य भारतीय राज्यों के प्रति नीति, प्रशासनिक कार्य, ब्रिटिश साम्राज्यीय व्वस्था में योगदान।
4. टीपू सुल्तान– प्रशासनिक कार्य, ईस्ट इण्डिया कम्पनी के प्रति नीति, तृतीय आंग्ल–मैसूर युद्ध की पृष्ठभूमि व परिणाम, चतुर्थ आंग्ल–मैसूर, युद्ध की पृष्ठभूमि व परिणाम, कृतित्व का मूल्यांकन।
5. सालबाई की सन्धि से बसीन की सन्धि तक मराठी परिसंघ की गतिविधियाँ एवं परिस्थितियाँ, द्वितीय आंग्ल–मराठा युद्ध (1803–05)–पृष्ठभूमि, प्रथम चरण (सिन्धियाँ व भोंसले से युद्ध, 1803) का गतिक्रम व परिणाम, द्वितीय चरण (होल्कर से युद्ध 1804–05) का गतिक्रम व परिणाम, आंग्ल–मराठा सन्धियों का संशोधन।

इकाई 3 : भारत में ब्रिटिश सत्ता का सुदृढ़ीकरण (1807–1842)

1. ईस्ट इण्डिया कम्पनी की भारतीय राज्यों के प्रति नीति (1807713); महाराजा रणजीत सिंह – पंजाब की उत्तर–पानीपत परिस्थितियाँ (1761–98), पंजाब राजय का उत्कर्ष, प्रभाव–विस्तार एवम् प्रशासनिक व सैनिक व्यवस्था, ईस्ट इण्डिया कम्पनी से सम्बन्ध (1806–39), कृतित्व का मूल्यांकन।
2. आंग्ल–नेपाल युद्ध (1814–16) – पृष्ठभूमि, गतिक्रम, परिणाम; तृतीय आंग्ल–मराठा युद्ध (1717–18)– मराठा परिसंघ का पुनारायोजन एवम् अन्तर्द्वन्द्व (1807–17), तृतीय आंग्ल–मराठा युद्ध की पृष्ठभूमि, युद्ध का गतिक्रम व परिणाम, मराठा परिसंघ के पराभव के कारण।
3. 1813 का अधिकारपत्र (चार्टर) अधिनियम–प्रावधान, ब्रिटिश सत्ता के स्वरूप पर प्रभाव, प्रशासनिक एवम् आर्थिक महत्व; लॉर्ड हेस्टिंग्ज (1813–23) का कार्यकाल–राजपूताना में प्रभाव–विस्तार, प्रशासनिक कार्य, ब्रिटिश प्रभुता (Paramountcy) की अवधारणा का प्रतिपादन, ब्रिटिश व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण में लॉर्ड हेस्टिंग्ज का योगदान; प्रथम आंग्ल–बर्मी युद्ध (1824–26)–पृष्ठभूमि, गतिक्रम, परिणाम।
4. लॉर्ड विलियम बेण्टिंक का कार्यकाल (1828–35)– शासन–विषयक दृष्टि, प्रशासनिक कार्य, भारतीय राज्यों के प्रति नीति, सामाजिक नीति, कृतित्व का मूल्यांकन; रैयतवादी एवम् महालवारी भू–व्सवस्थाओं का विकास।
5. 1833 का अधिकार पत्र (चार्टर) अधिनियम–प्रावधान, ब्रिटिश सत्ता के स्वरूप पर प्रभाव, महत्व आंग्ल–अफगान युद्ध (1839–1842)–प्रायः 1798 से 1828 तक अफगानिस्तान का राजनैतिक परिदृश्य, अमीर दोस्त मोहम्मद का आरोहण एवम् युद्ध की तात्कालिक पृष्ठभूमि, त्रिपक्षीय सन्धि एवम् अफगानिस्तान पर आक्रमण, युद्ध का गतिक्रम व परिणाम।

इकाई 4 : भारत में ब्रिटिश सर्वोपरिता की स्थापना (1842—1856)

1. सिन्ध—विलय (1842—43) — पुष्ठभूमि, नेपियर की नीति व क्रियाकलाप, सिन्ध—विलय के औचित्य का आकलन; प्रथम आंगल—पंजाब युद्ध (1845—46)—पंजाब का उत्तर—रणजीत सिंह परिदृश्य, प्रथम आंग्ल—पंजाब युद्ध में योगदायी परिस्थितियाँ, युद्ध का गतिक्रम व परिणाम।
2. प्रायः 1813 से 1848 तक ब्रिटिश प्रभुता (Paramountcy) की अवधारणा के विकास का पुनरावलोकन; लॉर्ड डल्हौजी का कार्यकाल (1848—56) —पदारोहण के समय का परिदृश्य, ब्रिटिश प्रभुता विषयक दृष्टि, व्यपगति (Lapse) की नीति की पृष्ठभूमि का कार्यान्वयन।
3. द्वितीय आंग्ल—पंजाब युद्ध (1848—49)— पृष्ठभूमि, गतिक्रम, लॉर्ड डल्हौजी की नीति के औचित्य का आकलन, परिणाम; द्वितीय आंग्ल—बर्मी युद्ध (1852)— पृष्ठभूमि, गतिक्रम, परिणाम।
4. अवध का विलय (1856)— प्रायः 1805 से 1848 तक आंग्ल—अवध सम्बन्धों का पुनरावलोकन; अवध पर वर्तमान ब्रिटिश दबाव (1848—56), अवध का विलय, अवध विलय के औचित्य का आकलन; लॉर्ड डल्हौजी की साम्राज्यीय नीति की समीक्षा।
5. ब्रिटिश प्रशासनिक व्यवस्था एवम् नियन्त्रण परिषद के अधिकार क्षेत्र का विकास (1835—48); प्रशासनिक एवम् आर्थिक क्षेत्रों में लार्ड डल्हौजी के कार्य व उनका आकलन; 1853 का अधिकारपत्र (चार्टर) अधिनियम—प्रावधान, ब्रिटिश भारत की संवैधानिक व प्रशासनिक व्यवस्था पर प्रभाव।

इकाई 5 : संक्रमण—कालीन भारत

1. प्रायः 1805 से 1856 तक ब्रिटिश भारत में नागरिक व सैनिक असहमतियों एवम् विद्रोहों का सर्वेक्षण; 1857 के विद्रोह की दीर्घकालीन व तात्कालिक पृष्ठभूमियाँ।
2. 1857 का विद्रोह— प्रारम्भ व प्रसार का गतिक्रम, क्षेत्रीय विशिष्टताएं प्रमुख नायक, जन—प्रतिभाग का आकलन, असफलता के कारण, तात्कालिक परिणाम, चरित्र।
3. ईस्ट इण्डिया कम्पनी की आर्थिक नीतियाँ— पारम्परिक उद्योंगों का अवसान; वाह्य व्यापार का रूपान्तरण; सम्पदा का निर्गमन (आर्थिक अपग्रहण); आर्थिक व सामुदायिक जीवन पर ब्रिटिश नीतियों का प्रभाव।
4. ईस्ट इण्डिया कम्पनी की सामाजिक नीतियाँ — पारम्परिक शिक्षा प्रणाली का अवसान; प्रायः 10813 से शिक्षा नीति के चरण एवम् पाश्चात्य शिक्षा का प्रसार; सामाजिक नीति व विधायन (Social Policy and Legislation)।
5. उन्नीसवीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध का भारतीय नवजागरण— नवीन सामाजिक व धार्मिक विचारों के उदय के कारक तथा नवजागरण का स्वरूप; राजा राममोहन राय के विचार एवम् कृतित्व; अन्य प्रमुख सामाजिक विचारक एवम् उनकी भूमिका।

संस्तुत पुस्तकें:

1. Christopher Bayly : *Indian Society and the Making of the British Empire.*
2. Ramkrishna Mukherji : *The Rise and Fall of the East India Company.*
3. R.C. Majumdar, H.C. Raychoudhury & Kalikinkar Datta : *An Advance History of India* (हिन्दी अनुवाद — आर0सी0 मजूमदार, एच0सी0 रायचौधुरी व कालीकिंकर दत्त : *भारत का वृहत् इतिहास*)
4. S.C. Sarkar & K.K. Datta: *Modern India History*, *Vol. II* (हिन्दी अनुवाद—एस0सी0 सरकार व के0के0 दत्त : *आधुनिक भारत का इतिहास*)
5. Edward Thompson & G.T. Garatt : *Rise and Fulfilment of British Rule in India.*
6. T.G.P Spear : *The Oxford History of Modern India.*
7. G.S. Sardesai : *New History of The Marathas.*
8. A.R. Desai : *Social Background of Indian Nationalism* (हिन्दी अनुवाद — ए0आर0 देसाई : *भारतीय राष्ट्रवाद की सामाजिक पृष्ठभूमि*)
9. राम लखन शुक्लः *आधुनिक भारत का इतिहास।*
10. सत्या रायः *भारत में उपनिवेशवाद और राष्ट्रवाद।*
11. G.N. Singh : *Landmarks in the Constitutional and National Development of India* (हिन्दी अनुवाद — गुरुमुख निहाल सिंह — *भारत का संवैधानिक और राष्ट्रीय विकास।*)
12. S.C. Sarkar : *The Bengal Renaissance* (हिन्दी अनुवाद- एस0सी0 सरकार : *बंगाल का नवजागरण ।*

इलाहाबाद विश्वविद्यालय

कला संकाय

मध्यकालीन एवम् आधुनिक इतिहास विभाग

व्याख्यान सूची

(2012–13)

बी० ए० द्वितीय भाग

विषय (क) मध्यकालीन इतिहास

(ख) आधुनिक इतिहास

बी० ए० द्वितीय भाग

मध्यकालीन एवम् आधुनिक इतिहास

व्याख्यान सूची

आवश्यक सूचना :

प्रथम व द्वितीय प्रश्नपत्रो में प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न एवम् कुल दस प्रश्न होंगे। परिक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न एवम् कुल पाँच प्रश्न करने होंगे।

प्रथम प्रश्नपत्र : आधुनिक विश्व का इतिहास (1453–1789)

(यह प्रश्नपत्र सभी विद्यार्थियों के लिए है।)

इकाई 1 : यूरोप में आधुनिक युग का प्रारम्भ

1. यूरोप में आधुनिक युगी विशेषताएँ। यूरोप में राष्ट्रीय राज्यों का उदय। पुनर्जागरण : तात्पर्य; कारण; वह इटली में प्रारम्भ क्यों हुआ।
2. क्ला, साहित्य, विज्ञान एवम् अन्य क्षेत्रों में पुनर्जागरणकालीन प्रगति। पुनर्जागरण का महत्व।
3. भौगोजिक अन्वेषण एवम् खोजें। वाणिज्यीय क्रान्ति। यूरोप में समुद्रपार व्यापार का विस्तार।
4. धर्मसुधार आन्दोलन के कारण। लूथर एवम् कॅल्विन के विचार एवम् योगदान। यूरोप में "प्रोटेस्टेण्टवाद" का प्रसार।
5. इंग्लैण्ड में धर्मसुधार (एंग्लिकनवाद)। कैथलिक धर्मसुधार (प्रतिधर्मसुधार) के उद्देश्य एवम् अभिकरण। धर्मसुधार आन्दोलन का महत्व।

इकाई 2 : यूरोप में निरंकुशवाद का युग

1. निरंकुशवाद की विशेषताएं। स्पेन का उत्थान एवम् चार्ल्स पंचम की नीतियाँ तथा उपलब्धियाँ। तीस वर्षीय युद्ध : कारण एवम् चरण।
2. वेस्टेफेलिया की सन्धि एवम् उसका महत्व। नीदरलैण्ड्स का विद्रोह : कारण एवम् महत्व। स्पेन के अवसान के कारक।
3. बोर्बन राजवंश के अधीन फ्रान्स में निरंकुशवाद की स्थापना एवम् विकास (प्रायः 1589 से 1661)। लुई चतुर्दश की नितियाँ एवम् उपलब्धियाँ (1661 से 1715)। फ्रान्स की सर्वोपरिता में चतुर्दश का योगदान।
4. इंग्लैण्ड में ट्यूडर निरंकुशवाद– विशेषताएं एवम् उपलब्धियां। स्टुअर्ट निरंकुशवाद एवम् प्रतिरोध। गौरवमयी क्रान्ति : कारण, परिणाम एवम् महत्व।
5. उसमानी तुर्क साम्राज्य के उत्थान एवम् प्रसार (प्रायः 1453 से 1715) के प्रमुख चरण तथा सुलेमान आलीशान का योगदान।

इकाई 3 : यूरोपीय औपनिवेशिक विस्तार एवं प्रबुद्धता का युग

1. यूरोपीय उपनिवेशवाद के उदय एवम् विस्तार के कारक। लातीनी अमेरिका की प्रमुख पारम्परिक संस्कृतियां तथा स्पेनी विजेताओं द्वारा उनका विनाश। उत्तरी अमेरिका में यूरोपीय प्रतिस्पर्धाएं एवम् औपनिवेशिक प्रसार।
2. यूरोप में प्रबुद्धता का युगः विशेषतांए; प्रमुख विचार एवम् विचारक; महत्व।
3. रूस के उत्कर्ष में पीटर महान एवम् कैथरीन महान का योगदान।
4. "प्रबुद्ध निरंकुशवाद" : प्रतिनिधि प्रबुद्ध निरंकुश शासक एवं उनका कृतित्व; प्रबुद्ध निरंकुश शासक के रूप में प्रशा के फ्रॅडरिक महान की नीतियां एवम् भूमिका।
5. अठारहवीं शताब्दी में (प्रायः 1715 के उपरान्त) यूरोपीय शक्तियों के पारस्परिक सम्बन्धों की विशेषताएं एवम् प्रवृत्तियां। ऑस्ट्रियायी उत्तराधिकार युद्ध एवम् सप्त–वर्षीय युद्ध के कारण एवं परिणाम।

इकाई 4 : पूर्वी विश्व

1. मिंग वंश के अधीन चीन : राजनीतिक विकास; सामाजिक एवम् आर्थिक जीवन; संस्कृति।
2. किंग (चिंग) वंश के अधीन चीन (प्रायः 1800 तक) : राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक एवम् सांस्कृतिक, परिस्थितियां; साम्राज्यीय प्रसार; उदीयमान समस्याएं।

3. तोकूगावा शोगुन–तंत्र (शोगुनेट) के अधीन जापान (प्रायः 1800 तक) : राजनीतिक, प्रशानिक एवम् आर्थिक व्यवस्था; सामाजिक एवम् सांस्कृतिक जीवन।
4. यूरोपीय देशों से चीन एवम् जापान के सम्पर्कों का विकास एवम् विस्तार तथा उसके प्रभाव (प्रायः 1800 तक)।
5. अफ्रीका, दक्षिण एशिया तथा दक्षिण–पूर्व एशिया में प्रारम्भिक यूरोपीय औपनिवेशिक गतिविधियों की मुख्य प्रवृत्तियां।

इकाई 5 : संक्रमण–कालीन विश्व

1. उत्तरी अमेरिका के ब्रिटिश उपनिविशों का विद्रोह : परिस्थितियाँ एवम् कारण; विद्रोह के प्रमुख चरण एवम् परिणाम; अमेरिका के स्वतंत्रता संग्राम का महत्व।
2. अठारहवीं शताब्दी में फ्रान्स (प्रायः 1715–89) : लुई पंचदश के अधीन फ्रान्स की निरंकुशवादी व्यवस्था का संकट; क्रान्तिकारी परिस्थितियों का विकास (1774–89)।
3. यूरोप मे कृषीय क्रान्ति एवम् उसक प्रभाव। औद्योगिक क्रान्ति की प्रारम्भि परिस्थितियां।
4. उसमानी तुर्क साम्राज्य का संकट (प्रायः 1715–1800) : आन्तरिक कारण; यूरोपीय शक्तियों की भूमिका।
5. 1789 में विश्व।

संस्तुत पुस्तकें:

1. J.M. Roberts : *The Pelican History of the World.*
2. H.G. Wells : *An Outline of World History.*
3. C.J.H. Hayes : *Modern Europe up to 1870.*
4. E.M. Burns and R. Ralph : *World Civilisations.*
5. Robert Ergang : *Europe form the Renaissance to Waterloo*
6. John Merriman : *Modern Europe from the Renaissance to the Present.*
7. K.S. Latourette : *A Short History of the Far East.*
8. John K. Fairbank, Edwin O. Reischauer & Albert M. Craig : *East Asia- Tradition and Transformation.*
9. हीरालाल सिंह : *आधुनिक यूरोप का इतिहास*।
10. एल0बी0 वर्मा : *यूरोप का इतिहास (1453–1789)*।
11. पी0एल0 विश्वकर्मा : *अर्वाचीन विश्व का इतिहास*।
12. लईक अहमद : *आधुनिक विश्व का इतिहास*।
13. P.H. Clyde & B.F. Beers: The Far East.
14. पी0एच0 क्लाइड : *सुदूर पूर्व*।
15. सत्यकेतु विद्यालंकार : *पूर्वी एवं दक्षिण पूर्वी एशिया का आधुनिक इतिहास*।

बी0ए0 द्वितीय भाग (क्रमशः)

द्वितीय (क) प्रश्नपत्र : मध्यकालीन भारत का इतिहास (1526–1740)

(यह प्रश्नपत्र केवल मध्यकालीन इतिहास के विद्यार्थियों के लिए है।)

इकाई 1 : भारत में मुगल साम्राज्य की स्थापना

1. बाबर के आगमनप के समय भारत की दशा।
2. जहीरुद्दीन मुहम्मद बाबर के आक्रमण एवं उपलब्धियाँ।
3. नसिरुद्दीन मुहम्मद हूमायूँ : समस्याएँ, पराजय एवं पुनरागमन।
4. द्वितीय अफगान साम्राज्य : शेरशाह की विजयें एवं उलब्धियाँ।
5. सूर वंश का पतन।

इकाई 2 : मुगल साम्राज्य का चरमोत्कर्ष

1. जलालुद्दीन मुहम्मद अकबर : राज्यारोहण, समस्याएँ, विजयें, साम्राज्य का पुनर्गठन।
2. जलालुद्दीन मुहम्मद अकबर : राजपूत, दक्षिण एवं धार्मिक नीतियाँ।
3. नूरुद्दीन मुहम्मद जहाँगीर : राजपूत, दक्षिण एवं उत्तर–पश्चिमी सीमान्त नीतियाँ, नूरजहाँ का मुगल राजीनति में प्रभाव।
4. शाहजहाँ : राजपूत, दक्षिण, उत्तर–पश्चिमी एवं मध्य एशियाई नीतियाँ, स्वगैयुग की दृष्टि से समीक्षा।
5. मराठों का उत्कर्ष एवं शिवाजी।

इकाई 3 : मुगल साम्राज्य का ह्रास

1. शाहजहाँ के पुत्रों में उत्तराधिकार के युद्ध।
2. मुहीउद्दीन मुहम्मद औरंगजेब : राजपूत एवं धार्मिक नीतियाँ।
3. औरंगजेब की दक्षिणी नीति, विफलता के कारण।
4. उत्तरवर्ती मुगल शासक, नादिरशाह का आक्रमण–परिस्थितियाँ एवं परिणाम।
5. मुगल साम्राज्य के पतन के कारण।

इकाई 4 : प्रशासनिक संस्थाएँ

1. मुगलों का शासन प्रबन्ध– केन्द्रीय, प्रान्तीय व स्थानीय प्रशासन, भूराजस्व व्यवस्था।
2. मनसबदारी प्रथा।
3. शेरशाह का शासन प्रबन्ध।
4. मराठों का शासन प्रबन्ध।
5. मुगलों के अन्तर्गत कृषीय संकट– जाट, सतनामी, सिख एवं बुन्देलों के विद्रोह।

इकाई 5 : मुगलकालीन भारत में समाज एवं संस्कृति

1. मुगलकाल में ऐतिहासिक साहित्य का विकास।
2. गुगल उमरा वर्ग– संरचना एवं राजनीति में भूमिका।
3. मुगल स्थापत्य कला।
4. मुगल चित्रकला।
5. मुगलकाल में समाज : मुख्य तीज त्योहार, स्त्रियों की दशा।

संस्तुत पुस्तकें

1. L.F. Rushbrook Williams : *An Empire Builder of the Sixteenth Century.*
2. R.S. Awasthi : *The Mughal Emperor Humayun*
3. R.P. Tripathi : *Rise and Fall of the Mughal Empire.*
   आर०पी० त्रिपाठी :मुगल साम्राज्य का उत्थान एवं पतन।
4. Vincent Smith : *Akbar-The Great Mughal*
5. Beni Prasad : *History of Jahagir*
6. B.P. Saxena : *History of Sahjahan of Delhi*
7. K.R. Qanungo : *Sher Shah and his Times*
8. A.B. Pandey : *Later Medieval India.*
   अवध बिहारी पाण्डेय : उत्तर मध्यकालीन भारत।
9. A.L. Srivastava : *The Mughal Empire.*
   आशीर्वादी लाल श्रीवास्तव : *मुगल साम्राज्य* ।
10. राधेश्याम : *मुगल सम्राट अकबर*
11. G.S. Sardesai : *Main Currents of Maratha History*

बी0ए0 द्वितीय भाग (क्रमशः)

द्वितीय (ख) प्रश्नपत्र : आधुनिक भारत का इतिहास (1858–1950)

(यह प्रश्नपत्र केवल आधुनिक इतिहास के विद्यार्थियों के लिए है।)

इकाई 1 : औपनिवेशिक सुदृढ़ीकरण तथा राष्ट्रीय जागृति (1858–1892)

1. 1857 के विद्रोह का उत्तरवर्त : सम्वैधानिक परिवर्तन (1892 तक); प्रशासनिक नीति की नशी दिशाएं तथा सामान्य व न्यायिक प्रशासन एवम् स्थानीय स्वायत्त शासन के विकास का सर्वेक्षण (1919 तक)।
2. साम्राज्यीय नीति (1919 तक) : भारतीय रियासतों के प्रति नीति; सीमान्त नीति–बर्मा, अफगानिस्तान, तिब्बत।
3. नयी सामाजिक धाराएँ : मध्यवर्ग एवम् नवीन अभिजन–वर्गों का उदय; समाज सुधार आन्दोलनों की प्रवृत्तियाँ (1919 तक)।
4. राष्ट्रवाद का उदय : सामाजिक तथा वयावसायिक संगठनों का विकास एवं गतिविधियाँ; संगठनों द्वारा उद्वेलित प्रश्न एवं उनके अभियान।
5. राष्ट्रवाद का उदारवादी चरणः भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का उद्भव तथा मृदुवादी धारा (नरमपंथ) के विचार एवम् कार्यक्रम; कांगेस की मांगों पर ब्रिटिश अनुक्रिया (भारतीय परिषद अधिनियम, 1892 तक)।

इकाई 2 : राष्ट्रीय अभ्युत्थान तथा साम्राज्यीय अनुक्रिया (1892–1919)

1. चरमपंथी राष्ट्रवाद : उग्रवादी धारा (गरम दल) का उदय तथा उसके विचार एवम् कार्यक्रम; स्वदेशी अभियान व 'बंग–बंग' विरोधी आन्दोलन की पृष्ठभूमि एवम् गतिक्रम तथा 'सूरत विग्रह'।
2. साम्प्रदायिक राजनीति का विकास : साम्प्रदायिक प्रवृत्तियाँ एवम् विवाद (1890 के दशक से); मुस्लिम लीग की स्थापना एवम् कार्यक्रम।
3. राष्ट्रवाद पर ब्रिटिश अनुक्रिया : वाइसरॉय कर्जन की नीतियाँ एवम् कांगेस की प्रति दृष्टिकोण; भारतीय परिषद अधिनियम, 1990 की पृष्ठभूमि, प्रावधान एवम् राष्ट्रवादी आलोचना।
4. युयुत्सु राष्ट्रवाद एवम् साम्राज्यीय अभ्युत्तर : क्रान्तिकारी राष्ट्रवाद का विकास एवम् गतिक्रम; शासन के समझौतापरक एवम् दमनात्मक उपाय।
5. प्रथम विश्वयुद्ध की अवधि में राष्ट्रीय आन्दोलन : 'होम रूल' आन्दोलन तथा कांग्रेस–लीग सन्धि, गांधी का आगमन तथा उनके प्रारम्भिक अभियान (रौलट सत्याग्रह तक)।

इकाई 3 : राष्ट्रवाद की प्रगति तथा साम्राज्यीय रणनीति (1919–1935)

1. संवैधानिक परिवर्तन तथा राष्ट्रवादी प्रत्युत्तर : भारत सरकार अधिनियम, 1919 की पुष्ठभूमि, प्रावधान एवम् राष्ट्रवादी आलोचना; खिलाफत एवम् असहयोग आन्दोलन की पृष्ठभूमि, गतिक्रम एवं प्रभाव।
2. असहयोग आन्दोलन का उत्तरवर्त : स्वराज पार्टी के उद्देश्य व कार्य एवम् उसका अवसान, गांधी का 'सृजनात्म कार्यक्रम' तथा सामाजिक योगदान (1948 तक)।
3. सवनिय अवज्ञा का आह्वान : साइमन कमीशन आन्दोलन, नेहरू रिपोर्ट तथा 'गोल मेज' सम्मेलन; सविनय अवज्ञा आन्दोलन की पृष्ठभूमि एवम गतिक्रम।
4. नवीन प्रवृत्तियाँ : श्रमिक व कृषक आन्दोलन एवम् 'वाम' पक्ष का विकास तथा उनकी भूमिका (1947 तक); क्रांतिकारी राष्ट्रवाद का पुनरोत्कर्ष तथा राष्ट्रीय आन्दोलन में उसका योगदान।
5. साम्राज्यीय अनुक्रिया : ब्रिटिश सत्ता की राष्ट्रवाद के प्रति रणनीति; तथा भारतीय रियासतों के प्रति नीति, (1919 से) केन्द्रीय, प्रान्तीय व न्यायिक प्रशासन एवम् स्थानीय स्वायत्त शासन का विकास।

इकाई 4 : राष्ट्रवाद का उत्कर्ष तथा साम्राज्यवाद का अवसान (1935–1947)

1. क्रियाशील प्रान्तीय स्वायत्तता : भारत सरकार अधिनियम , 1935 के प्रावधान एवम् उसकी राष्ट्रवादी आलोचना; राष्ट्रवाद के प्रति रणनीति; 1935 के अधिनियम के अन्तर्गत प्रान्तीय मन्त्रिमण्डलों का कार्य–संचालन।
2. साम्प्रदायिक राजनीति : साम्प्रदायिक का विस्तार (1919 से); मुस्लिम लीग की नीतियां एवम् गतिविधियां (1945 तक)।
3. द्वितीय विश्वयुद्ध का प्रारम्भिक चरण (1939–42) : कांग्रेस मन्त्रिमण्डलों का पदत्याग एवम् कांग्रेस की नीति; 'अगस्त प्रस्ताव' से क्रिप्स मिशन तक ब्रिटिश सत्ता के उपक्रम तथा उनके परिणाम।

4. द्वितीय विश्वयुद्ध का उत्तरवर्ती चरण (1942–45) : भारत छोड़ो आन्दोलन की पृष्ठभूमि, गतिक्रम एवम् परिणामराष्ट्रवाद के प्रति रणनीति, आजाद हिन्द फौज की स्थापना, कृतित्व एवम् भूमिका।
5. सत्ता हस्तान्तरण के मार्ग पर : शिमला सम्मेलन तथा कैबिनेट मिशन योजनाराष्ट्रवाद के प्रति रणननीति; कांग्रेस–लीग मतभेद, साम्प्रदायिक उपद्र0, ब्रिटेन विरोधी आन्दोलन तथा भारत से प्रस्थान के ब्रिटिश निर्णय के कारक।

इकाई 5 : स्वाधीनता एवम् उसका उत्तरवर्त तथा पुनरावलोकन

1. आसन्न स्वाधीनता : माउण्टबैटन योजना तथा स्वतन्त्रता का आगमन; रियासतों का एकीकरण।
2. सम्वैधानिक विकास : संविधान सभा का कृतित्व; 1950 के संविधान के प्रमुख विशेषताएं।
3. आर्थिक पुनरावलोकन (1860–1947) : ब्रिटिश आर्थिक नीतियों का सर्वेक्षण; औद्योगिक विकास की प्रमुख विशेषताएं।
4. समाजिक सन्दर्भ (1860–1947) : सामाजिक सुधार की मुख्य प्रवृत्तियाँ; दलितों, अन्य पिछड़े वर्गों तथा स्त्रियां की दशा एवम् परिस्थिति।
5. स्वातन्त्रयोत्तर परिस्थितियाँ : सामाजिक परिस्थितियाँ; आर्थिक परिस्थितियाँ।

संस्तुत पुस्तकें

1. R.C. Majumdar, H.C. Ray-Chaudhary & K.K. Dutta: *Advanced History of India*.
   आर0सी0 मजूमदार, एच0सी0 राय-चौधुरी व के0के0 दत्त : *भारत का वृहत इतिहास।*

2- A.R. Desai : *The Social Background of Indian Nationalism*.
   ए0आर0 देसाई : *भारतीय राष्ट्रवाद की सामाजिक पृष्ठभूमि।*

3- Sumit Sarkar : *Modern India 1885-1947*.

4. सुमित सरकार : *आधुनिक भारत, 1885–1947।*

5. एस0सी0 सरकार व के0के0 दत्त : *आधुनिक भारत का इतिहास* (खण्ड दो)।

6. Bipan Chandra, Mridula Mukherjee, K. N. Panikkar, Aditya Mukherjee & Sucheta Mahajan : *India's Struggle for Independence*.
   बिपन चन्द्रा, मृदुला मुखर्जी, के0एन0 पणिक्कर, आदित्य मुखर्जी व सुचेता महाजन : *भारत का स्वतंत्रता संघर्ष।*

7. रामलखन शुक्ल : *आधुनिक भारत का इतिहास।*

8. J. Masselos : *Indian Nationalism – An History.*

9. T.G.P. Spear : *The Oxford History of Modern India.*

10. R.C. Majumdar (ed.) : *British Paramountcy and the Indian Reaissance,Parts I & II and Struggle for Freedom* (Vols. IX, X, & XI of the *History and Culture of the Indian People*).

11. B.B. Mishra : *The Administrative History of India.*

इलाहाबाद विश्वविद्यालय

कला संकाय

मध्यकालीन एवम् आधुनिक इतिहास विभाग

व्याख्यान सूची

(2012—13)

बी० ए० तृतीय भाग

विषय (क) मध्यकालीन इतिहास

(ख) आधुनिक इतिहास

बी०ए० तृतीय भाग (क्रमशः)

मध्यकालीन एवम् आधुनिक इतिहास

व्याख्यान सूची

आवश्यक सूचना :

प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय प्रश्नपत्रो में प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न एवम् कुल दस प्रश्न होंगे। परिक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न एवम् कुल पाँच प्रश्न करने होंगे।

प्रथम प्रश्नपत्र : आधुनिक विश्व (1789–1950)

(यह प्रश्नपत्र मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास के विद्यार्थियों के लिए समान है।)

इकाई 1 : यूरोप में क्रान्ति एवम् प्रतिक्रिया का युग (1789–1830)

1. 1789 में विश्व की परिस्थिति का सिंहवालोकन; फ्रान्स की क्रान्ति की संस्थागत, बौद्धिक एवं तत्कालिक पृष्ठभूमि; क्रान्ति का प्रारम्भ तथा राष्ट्रीय सभा का कृतित्व।
2. राष्ट्रीय कन्वेशन तथा डाइरेक्टरी के कार्यकालों के घटनाक्रम; नेपोलियन का उदय तथा उसके द्वारा फ्रान्स का पुनर्गठन।
3. नेपोलियन के अधीन फ्रांस का विस्तार तथा उसकी साम्राज्यीय नीति; उसके साम्राज्य के विघटन के कारक; क्रान्ति तथा नेपोलियन–युग का महत्व।
4. वियना महासम्मेलन (Congress) तथा वियना की व्यवस्था; यूरोप की संयुक्त व्यवस्था तथा मेटरनिख व्यवस्था के उद्देश्य एवम् कार्य।
5. औद्योगिक क्रान्ति की प्रगति एवम् प्रभावों का सर्वेक्षण (1870 तक); यूरोप में राष्ट्रवाद एवम् उदारवाद का उदय तथा 1830 की क्रान्तियाँ।

इकाई 2 : यूरोप में उदारवाद एवम् राष्ट्रवाद तथा नव–साम्राज्यवाद (1830–1914)

1. यूरोप में साम्राज्यवादी विचारों एवम् आन्दोलनों का उदय व प्रसार; 1848 की क्रान्तियों के स्रोत, पृष्ठभूमि, एवम् प्रभाव; ब्रिटेन में उदारवादी प्रजातन्त्र का विकास।
2. इटली के एकीकरण के चरण तथा मात्सीनी, कावूर, गैरीबॉल्डी एवम् नेपोलियन तृतीय की भूमिका। जर्मनी के एकीकरण का गतिक्रम (1815–1848), उदार राष्ट्रवादियों के प्रयत्न तथा जर्मनी के एकीकरण में बिस्मार्क की भूमिका।
3. *ऑस्ट्रियाई साम्राज्य* (प्रायः 1848 से) : राष्ट्रवादी आकांक्षाओं के प्रति नीति, 1867 की सन्धि (*आउसग्लाइष*) व उसके परिणाम। *रूसी साम्राज्य* (प्रायः 1860 से) : सुधारवादी प्रयास व दमन की नीति, 1905 की क्रान्ति तथा उसका उत्तरवर्त।
4. *उसमानी तुर्क साम्राज्य* (प्रायः 1848 से) : ग्रीस के स्वतन्त्रता संग्राम (1821) से बर्लिन महासम्मेलन (1878) तक 'पूर्वी समस्या' के प्रमुख प्रसंग; बाल्कन क्षेत्र में उत्तर–1878 समस्याएँ तथा उसमानी तुर्क साम्राज्य पर उनके प्रभाव।
5. नव–साम्राज्यवाद का उद्भव तथा यूरोपीय देशों का उपनिवेशों के लिए प्रतिद्वन्द्व (1870 से); यूरोपीय प्रतिस्पर्धाएँ, सन्धियों की व्यवस्था तथा प्रथम विश्वयुद्ध का प्रारम्भ।

इकाई 3 : उद्योग एवं साम्राज्य के युग में यूरोपेतर विश्व (1919 तक)

1. *संयुक्त राज्य अमेरिका* (प्रायः 1860 से) : गृह–युद्ध की पृष्ठभूमि, आर्थिक प्रगति तथा विश्व शक्ति के रूप में उत्कर्ष।

2. *चीन* (प्रायः 1836 से) : अफीम युद्ध तथा चीन में उन्मुक्त आवागमन का सुनिश्चय; पश्चिम–विरोधी आन्दोलन एवम् आधुनिक राष्ट्रवाद का विकास; 1911 की क्रान्ति एवं उसका उत्तरावर्त।
3. *जापान* (प्रायः 1854 से) : तोकूगावा शोगुन–व्यवस्था का पतन व 'माइजी पुनर्स्थापन'; जापान का आधुनिकीकरण, क्षेत्रीय प्राधान्य व विश्वशक्ति के रूप में उत्कर्ष।
4. प्रथम विश्वयुद्ध के प्रमुख चरण; पेरिस की शान्ति व्यवस्था (1919)।
5. रूस की 1917 की क्रान्ति की पृष्ठभूमि; बोल्शेविक सत्ता की स्थापना एवम् सुदृढ़ीकरण (1924 तक); लेनिन की भूमिका तथा क्रान्ति का महत्व।

इकाई 4 : अन्तर्विश्वयुद्ध काल में विश्व (1914–1945)

1. इटली की फाशीवदी सत्ता एवं जर्मनी की नात्सी सत्ता के विशेष सन्दर्भ में यूरोप में अधिनायकवादी राज्य व्यवस्थाओं के उद्भव के कारक।
2. राष्ट्रसंघ तथा अन्तर्राष्ट्रीय शांति, सुरक्षा एवम् सहयोग हेतु उसके कार्य; महान अन्तर्राष्ट्रीय मन्दी तथा विश्व व्यवस्था पर उसके प्रभाव।
3. स्तालिन के नेतृत्व में सोवियत संघ का विकास; संयुक्त राज्य अमेरिका में 'न्यू डील' की पृष्ठभूमि एवं प्रभाव।
4. कमाल अतातुर्क तथा तुर्की का आधुनिकीकरण; औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध राष्ट्रवादी प्रतिक्रियाओं का सर्वेक्षण (1870–1939)।
5. *चीन* (प्रायः 1919 से) : कुओ–मिनतांग का उदय तथा उसकी नीतियाँ; कुओ–मिनतांग के साम्यवादी दल से संघर्ष के कारण एवम् उसका गतिक्रम (1949 तक)। *जापान* (प्रायः 1919 से); संविधानवाद का अवसान तथा सैनिक फाशीवाद का उत्कर्ष; जापानी साम्राज्य का उत्थान एवम् पतन (1931–1945)।

इकाई 5 : नवीन विश्व व्यवस्था का आगमन (1939–1950)

1. एशिया में औपनिवेशिक राष्ट्रवाद की प्रमुख प्रवृत्तियाँ; लातीनी अमेरिका एवम् औपनिवेशिक अफ्रीका की व्यापक परिस्थितियाँ।
2. अन्तर्राष्ट्रीय संकट के मुख्य कारक एवम् प्रसंग (1933 से); द्वितीय विश्वयुद्ध के प्रारम्भ के कारकों तथा युद्ध के प्रमुख चरणों की समीक्षा।
3. द्वितीय विश्वयुद्ध का तात्कालिक उत्तरवर्त; शान्ति सन्धियाँ; संयुक्त राष्ट्र की स्थापना तथा उसके प्रारम्भिक कार्यं
4. शीत युद्ध का विकास तथा उसकी घटनाएँ (1945–1950); उपनिवेश–विग्रह (वि–उपनिवेशीकरण) तथा नवीन राष्ट्रों का उदय।
5. विज्ञान, प्रौद्योगिकी तथा उद्योग की प्रगति (1900 से); 1950 में विश्व की परिस्थितियों का सिंहावलोकन।

संस्तुत पुस्तकें

1. E.M. Burns & R. Ralph : *World Civilizations Part-C.*
2. C.D.M. Ketelbey : *A History of Modern Tines from 1789.* सी0डी0 एम0 केटेलबीः *आधुनिक काल का इतिहास।*
3. R.R.Palmer, Joel Colton and Lloyd Kramer : *A History of the Modern World*
4. W.C. Langsam : *The World Since1919*
5. दीना नाथ वर्मा : *आधुनिक विश्व*
6. David Thompson : *Europe since Napoleon*
7. E. Lipson : *Europe in the Nineteenth and Twentieth Centuries.* (ई0 लिपसन : *उन्नीसवीं और बीसवीं शताब्दी में यूरोप)*
8. C.D. Hazen : *Moderrn Europe(*सी0डी0 हेज़नः *आधुनिक यूरोप का इतिहास)*
9. C.J.H. Hayes : *Modern Europe up to 1870.*

10. C.J.H. Hayes : *Contemporary Europe from 1870*
11. H.M. Vinacke : *A History o f the Far East in Modern Times.* एच0 एम0 विनाके : सुदूर पूर्व का आधुनिक इतिहास
12. John K. Fairbank, Edwin O. Reischauer and Albert M. Craig: *East Asia- Tradition and Transformation.*
13. P.H. Clyde and B.F. Beers : *The Far East.* (पी0एच0 क्लाइड : *सुदूर पूर्व)*
14. H.C. Jain and K.C. Mathur : *World History-A Survey*. (एच0सी0 जैन एवम् के0सी0 माथुर : *विश्व इतिहास–एक सर्वेक्षण*)
15. *The New Cambridge Modern History (Vol. 7-13)*.

बी०ए० तृतीय भाग (क्रमशः)

प्रश्नपत्र द्वितीय (क)

मध्यकालीन भारत में प्रशासनिक संस्थाएं तथा सामाजिक एवम आर्थिक जीवन, 1206–1740

(यह प्रश्नपत्र केवल मध्यकालीन इतिहास के विद्यार्थियों के लिए है।)

इकाई 1 : मध्यकालीन भारत में अफगान राजनैतिक सिद्धांत तथा संस्थाएं

1. राजत्व सिद्धान्त : तुर्की एवं अफगान सुल्तानों के अन्तर्गत विकास।
2. मुगल राजत्व सिद्धान्त : अबुल फज़ल के विचार।
3. केन्द्रीय प्रशासन : दिल्ली के सुल्तानों एवं मुगल सम्राटों के अन्तर्गत विकास।
4. प्रान्तीय प्रशासन : दिल्ली के सुल्तानों एवं मुगल सम्राटों के अन्तर्गत विकास।
5. मराठा प्रशासन : शिवाजी के अन्तर्गत विकास।

इकाई 2 : मध्यकालीन भारत की भूमि व्यवस्था

1. सल्तनतकालीन भू–राजस्व व्यवस्था : अलाउद्दीन खलजी एवं मुहम्मद बिन तुगलक का योगदान।
2. सूरकालीन भू–राजस्व व्यवस्था : शेरशाह का योगदान, जाब्ती व्यवस्था का विकास।
3. मुगलकालीन भू–राजस्व व्यवस्था : अकबर का योगदान, जाब्ती व्यवस्था की सफलता, टोडरमल का बन्दोबस्त, आईन–ए–दहसाला।
4. मुगलकालीन भारत में जमींदार एवं जागीरदार संवर्ग : शक्तियाँ तथा विशेषाधिकार, जमींदारी प्रथा में संकट।
5. कृषीय उत्पादन व्यवस्था : सल्तनत एवं मुगल काल में विकास,मध्यकालीन भारत में कृषकों की दशा।

इकाई 3 : मध्यकालीन भारत में सैन्य संगठन

1. सल्तनत काल सैन्य संगठन का विकास : बलबन एवं अलाउद्दीन खजली का योगदान।
2. बाबर एवं हुमायूँ का सैन्य संगठन : तुलुगमा व्यवस्था, युद्धों में आग्नेयास्त्रों का प्रभाव।
3. शेरशाह का सैन्य संगठन।
4. मुगलों के अन्तर्गत सैन्य व्यवस्था; तुलुग्मा व्यवस्था; युद्ध में आग्नेयास्त्रों का प्रभाव।
5. मुगलों के अन्तर्गत मनसबदारी व्यवस्थाः मनसबदारी व्यवस्था में परिवर्तन, मनसबदारी व्यवस्था के गुण तथा दोष।

इकाई 4 : मध्यकालीन भारत में व्यापार तथा उद्योग

1. सल्तनत काल में गैर–कृषीय उत्पादनः बड़े एवम् कुटीर उद्योग।
2. मुगल काल में गैर–कृषीय उत्पादन : बड़े एवम् कुटीर उद्योग। क्या भारत सत्रहवीं शताब्दी में विश्व का शीर्षस्थ औद्योगिक राष्ट्र था?
3. सल्तनत एवम् मुगल काल में आन्तरिक व्यापार, व्यापारिक मार्ग एवं व्यापारिक वर्ग।
4. सल्तनत एवम् मुगल काल में विदेशी व्यापार : व्यापारिक मार्ग, आयात एवम् निर्यात।
5. मध्यकालीन भारत में नगरीकरण– प्रक्रिया एवं प्रभाव।

इकाई 5 : मध्यकालीन भारत में सामाजिक जीवन

1. सल्तनत काल में उमरा : संरचना, जीवन शैली, राजनीति में भूमिका।

2. मुगल काल में उमरा : संरचना, जीवन शैली, राजनीति में भूमिका।
3. मध्यकालीन भारत में उलमा : संरचना, शैक्षिक व सामाजिक भूमिका, राजनीतिक प्रभाव।
4. दिल्ली के सुल्तानों एवम् मुगल सम्राटों का सार्वजनिक एवम् व्यक्तिगत जीवन।
5. मध्यकालीन भारत में स्त्रियों की दशा– आभिजात्य वर्ग, सामान्य वर्ग।

संस्तुत पुस्तकें :

1. राधेश्याम : *मध्यकालीन प्रशासन, समाज एवं संस्कृति।*
2. घनश्याम दत्त शर्मा : *मध्यकालीन भारत सामाजिक, आर्थिक एवम् राजनैतिक संस्थाएं।*
3. जदुनाथ सरकार : *मुगल शासन प्रणाली।*
4. हरिशंकर श्रीवास्तव : *मुगल शासन प्रणाली।*
5. हेरम्ब चतुर्वेदी : *मध्यकालीन भारत में राज्य और राजनीति।*
6. पी0एल0 विश्वकर्मा : *मध्यकालीन भारत का समाज, प्रशासन एवम् आर्थिक इतिहास।*
7. I.H. Qureshi : *(i) The Administration of the Sultanate of Delhi & (ii)The Administration of the Mughal Empire.*
8. U.N. Day : *(i)Administration System of Delhi Sultanate; & (ii) The Mughal Government : AD 1556-1707*
9. R.P. Tripathi : *Some Aspects of Muslim Administration.*
10. P. Saran : *Islamic Polity.*
11. S.B.P. Nigam : *Nobility under the Sultanate of Delhi.*
12. M. Athar Ali : *Mughal Nobility under Aurangzeb.*
13. K.A. Nizami : *State and Culture in Medieval India.*
14. S.M. Jafar : *Some Cultural Aspects of Mughal Rule in India.*
15. S.N. Sen : *Administrative System of the Marathas.*
16. G.S. Sardesi: *New History of the Marathas.*
17. Tapan Raychaudhury and Irfan Habib (eds): *The Cambridge Economic History of India Vol. I.*
18. P.N. Chopra : *Social Life during the Mughal Age.*

बी० ए० तृतीय भाग (क्रमशः)

प्रश्नपत्र द्वितीय (ख)

आधुनिक भारत का सामाजिक एवम आर्थिक इतिहास, 1740–1950

(यह प्रश्नपत्र केवल आधुनिक इतिहास के विद्यार्थियों के लिए है।)

इकाई 1 : प्रारम्भिक औपनिवेशिक काल में सामाजिक एवम् आर्थिक परिस्थितियाँ (1813 तक)

1. साम्राज्यवाद के चरण (1947 तक)।
2. ब्रिटिश सामाजिक नीति के चरण (1947 तक)।
3. आर्थिक परिस्थितियाँ – ग्रामीण समाज, नागर जीवन, जाति सम्प्रदाय, सामाजिक अभिजन वर्ग, शिक्षा एवम् विद्यार्जन।
4. सामाजिक परिस्थितियाँ – ग्रामीण समाज, नागर जीवन, जाति सम्प्रदाय, सामाजिक अभिजन वर्ग, शिक्षा एवम् विद्यार्जन।
5. (1765 से) ब्रिटिश आर्थिक नीतियाँ, बंगाल का स्थायी बन्दोबस्त तथा उसके प्रभाव।

इकाई 2 : उन्नीसवीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध में सामाजिक एवम् आर्थिक परिवर्तन (1813–1860)

1. नयी–भू व्यवस्थाओं (रैयतवारी एवम् महालवारी) का विकास व उनकी विशेषताएं।
2. ब्रिटिश भू–राजस्व नीतियों के प्रभाव, कृषि के बदलते स्वरूप।
3. विदेशी व्यापार की प्रवृत्तियां;वि–औद्योगीकरण।
4. सामाजिक – धार्मिक सुधार आन्दोलनों के उद्भव के कारक; राजा राममोहन राय एवं ब्रह्म समाज; अन्य सुधार आन्दोलन; इस्लामी अनुक्रिया।
5. शैक्षिक नीति एवम् विकास; सामाजिक विधायन।

इकाई 3 : उत्तरवर्ती उन्नीसवीं व प्रारम्भिक बीसवीं शताब्दियों में औपनिवेशिक आर्थिक नीतियाँ एवम् उनके प्रभाव (1860–1915)

1. आधुनिक उद्योग तथा उद्यमिता का उद्भव एवम् विकास; विदेशी पूँजी की भूमिका।
2. ब्रिटिश औद्योगिक नीति; श्रमिक वर्ग का विकास।
3. (रेल व्यवस्था के विशेष संदर्भ में) परिवहन एवं संचार का विकास; (1757 से) आर्थिक अपग्रहण एवम् उसके प्रभाव;
4. विदेशी व्यापार का स्वरूप; प्रशुल्क नीति; अवरूद्ध आर्थिक विकास का प्रश्न।
5. कृषकों की समस्याएं; ग्रामीण ऋणबद्धता; काश्तकारी विधायन एवं उसकी परिसीमाएं (प्रायः 1850 से) कृषक एवं जनजातीय आन्दोलन।

इकाई 4 : उत्तरवर्ती उन्नीसवीं एवम् प्रारम्भिक बीसवीं शताब्दियों में सामाजिक परिवर्तन एवम् उसके परिणाम (1860–1919)

1. नवीन अभिजन वर्गों का उदय।
2. आधुनिक राष्ट्रवाद के उद्भव एवम् उदारवाद से उग्रवाद की ओर उसके संक्रमण के सामाजिक कारक।
3. समाजिक एवं धार्मिक सुधार की प्रवृत्तियाँ; क्षेत्रीय भाषाओं एवं साहित्य का विकास।
4. मुस्लिमों एवं पिछड़े वर्गों के सामाजिक आन्दोलन; संस्कृतकरण।
5. शैक्षिक विकास; (1939 तक) सामाजिक विधायन; महिलाओं की परिस्थिति (Status)।

इकाई 5 : सामाजिक एवम् आर्थिक संक्रमण तथा साम्राज्यवाद का अवसान (1919–1950)

1. (1939 तक) औद्योगिक नीति एवम् विकास; विदेशी व्यापार तथा प्रशुल्क; विश्वव्यापी मन्दी (1929–1933) का प्रभाव।

2. कृषकों की परिस्थितियाँ एवं कृषक आन्दोलन; श्रमिक संघवाद (ट्रेड यूनियनिज्म) का विकास; क्षेत्रीय एवम् अन्य अस्मिताओं की अभिव्यक्ति।
3. गांधीवादी समाजिक विचार एवम् आन्दोलन; बाबा साहब अम्बेडकर एवं दलित आन्दोलन;
4. 1890 के दशक से साम्प्रदायिक आगठन (Mobilisation) में सामाजिक–आर्थिक कारक।
5. साम्राज्यवाद की विरासत; स्वतंत्र्योपरान्त सामाजिक एवं आर्थिक परिस्थितियाँ।

संस्तुत पुस्तकें :

1. ए0एल0 बैशम– *A Cultural History of India*.
2. पी0एन0 चौपड़ा, बी0एन0 पुरी व एम0एन0 दास– *The Social, Cultural and Economic History of India*.
   पी0एन0 चौपड़ा, बी0एन0 पुरी व एम0एन0 दास– *भारत का सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक इतिहास* (खण्ड तीन– आधुनिक भारत)।
3. ए0आर0 देसाई– The Social Background of Indian Nationalism.
   ए0आर0 देसाई– भारतीय राष्ट्रवाद की सामाजिक पृष्ठभूमि।
4. बी0बी0 मिश्रा– *The Indian Middle Classes- Their Growth in Modern Times.*
5. आर0सी0 मजूमदार (सम्पादक) : *British Paramaountcy and the Indian Renaissance*: Part II. (*History and Culture of the Indian People, Volume X*).
6. रमेश चन्द्र दत्त – *The Economic History of India* (Volumes I & II).
   रमेश चन्द्र दत्त– *भारत का आर्थिक इतिहास* (खण्ड एक व दो)।
7. बी0वी0 सिंह– *The Economic History of India* (1857–1957)
8. डी0आर0 गाडगिल– *The Industial Evolution of India*.
9. गिरीश मिश्रा – आ*धुनिक भारत का आर्थिक इतिहास*।
10. सत्या राय – *भारत में साम्राज्यवाद और राष्टवाद*।

बी०ए० तृतीय भाग (क्रमशः)

प्रश्नपत्र तृतीय (क)

आधुनिक भारत का सामाजिक एवम आर्थिक इतिहास, 1740—1950

(यह प्रश्नपत्र केवल आधुनिक इतिहास के विद्यार्थियों के लिए है।)

इकाई 1 : भारत के स्वतन्त्रता आन्दोलन की पृष्ठभूमि (1885 तक)

1. *ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य* : 'राष्ट्र' एवं 'राष्ट्रवाद' के तात्पर्य तथा राष्ट्रवाद के विभिन्न सिद्धान्त; भारतीय राष्ट्रवाद का इतिहास—लेखन।
2. *भारत में ब्रिटिश साम्राज्यवाद :* ब्रिटिश साम्राज्य का विस्तार तथा उसकी प्रशासनिक एवं संवैधानिक संरचना (1765—1856); भारत में 1857 से पूर्व नागरिक उद्वेलनों तथा सैनिक विद्रोहों का सर्वेक्षण।
3. *1857 का विद्रोह :* दीर्घकालीन एवं तात्कालिक कारक तथा विद्रोह का गतिक्रम; विद्रोह का नेतृत्व, जन—प्रतिभाग तथा स्वरूप।
4. *विद्रोह का उत्तरवर्त (प्रायः 1900 तक)* : संवैधानिक एवं प्रशासनिक परिवर्तन तथा भारतीय रियासतों के प्रति नीति; ब्रिटिश सामाजिक एवं आर्थिक नीतियों की प्रमुख विशेषताएँ।
5. *नवीन धाराएँ (1857—1914)* : मध्य वर्गों एवं नव अभिजनों का उदयः; हिन्दुओं व मुस्लिमों में धार्मिक एवं सामाजिक सुधार की प्रवृत्तियाँ तथा पिछड़े वर्गों के सामाजिक आन्दोलन।

इकाई 2 : राष्ट्रीय अभ्युत्थान का उत्कर्ष (1885—1914)

1. *राष्ट्रवाद का उदय* : भारत में आधुनिक राष्ट्रवाद के उदय के कारकों का विहंगम वृत्त; सामाजिक एवं वृत्तिक (Professional) संगठनों की गतिविधियाँ तथा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का उद्भव।
2. *उदारवादी एवं युयुत्सु राष्ट्रवाद* : नम्रवादियों (नरमपंथ) की विचारधारा एवं कार्यक्रम; युयुत्सु (Militant) राष्ट्रवाद के विकास के कारक तथा चरमपंथियों (गरमपंथ) की विचारधारा एवं कार्यक्रम।
3. *साम्प्रदायिक विभाजन* : (1890 के दशक से) साम्प्रदायवादी प्रवृत्तियाँ एवं विवाद; मुस्लिम लीग की स्थापना एवं कार्यक्रम।
4. *ब्रिटिश प्रत्युत्तर* : 'बंगभग' एवं अन्य राष्ट्रवाद विरोधी उपाय; भरत परिषद अधिनियम 1909 के उद्देश्य एवं प्रावधान तथा उसकी राष्ट्रवादी प्रत्यालोचना।
5. *राष्ट्रवाद की प्रगति* : स्वदेशी एवं बंगभंग—विरोधी आन्दोलनों की पृष्ठभूमि एवं गतिक्रम, 'सूरत विग्रह' तथा राष्ट्रीय आन्दोलन पर उसका प्रभाव कृषक असंतोष तथा भारत में एवं उसके बाहर क्रान्किारी राष्ट्रवाद का विकास एवं विस्तार।

इकाई 3 : राष्ट्रवाद का अग्रगमन (1914—1935)

1. *प्रथम विश्वयुद्ध की अवधि में राष्ट्रीय आन्दोलन* : होम रूल आन्दोलन तथा कांग्रेस—लीग सहमति; गाँधी का आगमन तथा (1920 तक) उनके प्रारम्भिक अभियान।
2. *संवैधानिक परिवर्तन तथा राष्ट्रवादी आगठन* : भारत सरकार अधिनियम; 1919 की पृष्ठभूमि एवं प्रावधान तथा उसकी राष्ट्रवादी प्रत्यालोचना; ख़िलाफत एवं असहयोग आन्दोलनों की पृष्ठभूमि एवं गतिक्रम।
3. *असहयोग का उत्तरवर्त* : स्वराज पार्टी तथा साम्प्रदायिक आगठन के कारक; गाँधी का रचनात्मक कार्यक्रम तथा सामाजिक आन्दोलन।
4. *सविनय अवज्ञा का आगमन* : साइमन आयोग के विरुद्ध अभियान, नेहरू रिपोर्ट तथा गोल मेज़ सम्मेलन; सविनय अवज्ञा आन्दोलन की पृष्ठभूमि एवं गतिक्रम तथा 'पूना सहमति'।
5. *नवीन प्रवृत्तियाँ (1919 से)* : कृषक व श्रमिक आन्दोलनों एवं 'वाम' का विकास तथा उनकी भूमिका; क्रान्तिकारी राष्ट्रवाद का पुनरुत्थान तथा राष्ट्रीय आन्दोलन में उसका स्थान।

इकाई 4 : साम्राज्य का प्रतिगमन (1935—1947)

1. *नया संवैधानिक विन्यास* : भारत सरकार अधिनियम 1935 के प्रावधान, उसकी राष्ट्रवादी प्रत्यालोचना तथा उसके कार्यसंचालन की समीक्षा; रियासतों के प्रति बिटिश नीति की विशेषताएं एवं उसके उद्देश्य (1919–1947)।
2. *विश्व संघर्ष का आगमन* : 1935 के अधिनियम के अन्तर्गत प्रान्तीय मन्त्रिमण्डलों के कृतित्व का मूल्यांकन, प्रान्तीय मन्त्रिमण्डलों के पदत्यागोपरान्त राष्ट्रवादी अभियान तथा ब्रिटिश राजनीतिक उपक्रम (1939–1942)।
3. *राजनीतिक विसम्मति* : मुस्लिम लीग की नतियाँ एवं गतिविधियाँ (1928–1945); (1942 से) ब्रिटिश नीतियों एवं कांग्रेस कार्यक्रम के प्रति डॉ0 अम्बेडकर एवं साम्यवादी दल के दृष्टिकोण।
4. *द्वितीय विश्वयुद्ध की अवधि में राष्ट्रवादी प्रयत्न (1942–1945)* : 'भारत छोड़ो' आन्दोलन की पृष्ठभूमि, गतिक्रम एवं निष्पत्ति; आजाद हिन्द फौज का उद्भव, गतिविधियाँ एवं भूमिका।
5. *सत्ता–हस्तान्तरण का पदार्पण* : शिमला सम्मेलन; कांग्रेस–लीग मतभेद; कैबिनेट मिशन योजना तथा अन्तरिम सरकार का गठन; ब्रिटिश शासन विरोधी आन्दोलन, साम्प्रदायिक उपद्रव तथा भारत से प्रस्थान के ब्रिटिश निर्णय के कारक।

इकाई 5 : स्वाधीनता तथा स्वातन्त्र्योत्तर प्रसंग (1947–1950)

7- *स्वाधीनता का आगमन* : माउण्टबैटन योजना तथा स्वतन्त्रता की सहवर्ती परिस्थितियाँ; भारतीय उपमहाद्वीप के विभाजन के उत्तरदायी कारकों का विश्लेषण तथा सर्वेक्षण।

8- *प्रशासनिक सुदृढ़ीकरण तथा संवैधानिक विकास* : रियासतों का समायोजन; संविधान सभा का कृतित्व तथा 1950 के संविधान की प्रमुख विशेषताएँ।

9- *आर्थिक परिदृश्य* : ब्रिटिश आर्थिक नीतियों के आर्थिक प्रभाव का सिंहावलोकन (प्रायः 1900–1947); स्वतन्त्रता के समय भारतीय अर्थव्यवस्था तथा सरकार की आर्थिक नीति।

10- *सामाजिक सन्दर्भ* : दलितों एवं अन्य पिछड़े वर्गों तथा महिलाओं के विशेष सन्दर्भ में सामाजिक परिस्थितियों की समीक्षा (प्रायः 1900–1947); सरकार की सामाजिक नीति।

11- *पुनरावालोकन* : स्वतन्त्रता आन्दोलन के आदर्श एवं मूल्य; महात्मा गाँधी, जवाहरलाल नेहरू, सरदार पटेल, मौलाना आज़ाद एवं डॉ0 अम्बेडकर के योगदान।

संस्तुत पुस्तकें :

1. Bipan Chandra, Mridula Mukherjee, K.N. Panikkar, Aditya Mukherjee, Sucheta Mahajan : *India's Struggle for Independence, 1857*-1947.
   बिपन चन्द्रा, मृदुला मुखर्जी, के0एन0 पणिक्कर, आदित्य मुखर्जी, सुचेता महाजन : *भारत का स्वतन्त्रता संघर्ष,* 1857–1947.
2. A.R. Desai : *Social Background of Indian Nationalism*
   ए0आर0 देसाई : *भारतीय राष्ट्रवाद की सामाजिक पृष्ठभूमि*
3. Sumit Sarkar % *Modern India 1885-1947*
   सुमित सरकार : *आधुनिक भारत 1885–1947*
4. Sekhar Bandyopadhyay : *From Plassey to Partition: A History of Modern India*
   शेखर बद्योपाध्याय : पलासी से विभाजन तक : आधुनिक भारत का इतिहास
5. R.C. Majumdar, H.C. Raychaudhuri and Kalikinkar Datta : *An Advanced History of India*
   रमेश चन्द्र मजूमदार, हेमचन्द्र रायचौधुरी व कालिकिंकर दत्त : *भारत का बृहत् इतिहास*
6. सत्या राय : *भारत में साम्राज्यवाद और राष्ट्रवाद*
7. राम लखन शुक्ला : *आधुनिक भारत का इतिहास*
8. T.G. P. Spear : *The Oxford History of Modern India*
9. R.C. Majumdar (ed.) : *British Paramountcy and the Indian Renaissance, Parts I & II and Struggle for Freedom (Vols. IX, X & XI of The History and Culture of the Indian People)*
10. Ramachandra Guha (ed.) : Makers of Modern India

12- Shekhar Bandyopadhyay: *Nationalsit Movement in India, A Reader*.

13- Mushirul Hasan : *Nationalism and Communal Politics in India, 1885-1930*

बी०ए० तृतीय भाग (क्रमशः)

प्रश्नपत्र तृतीय (ख)

मध्यकालीन भारत, 1526–1740

(यह प्रश्नपत्र केवल आधुनिक इतिहास के विद्यार्थियों के लिए है।)

इकाई 1 : मुगल साम्राज्य की स्थापना

1. 1206 से 1526 के मध्य भारत के राजनीतिक घटनाक्रम का संक्षिप्त सर्वेक्षण।
2. बाबर के आक्रमण के समय भारत की दशा।
3. पानीपत, खानुआ एवं घाघरा के युद्ध तथा बाबर की सैनिक उपलिब्धयाँ।
4. प्रशासक के रूप में बाबर; भारत में उसकी विजय का महत्व एवं बाबर का योगदान।
5. हुमाँयू – प्रारम्भिक कठिनाइयाँ बहादुरशाह तथा शेरशाह से उसके सम्बन्ध; भारत से निष्कासन एवं साम्राज्य की पुनर्प्राप्ति।

इकाई 2 : सूर अन्तराल तथा अकबर का युग

1. शेरशाह : सत्तारोहण, प्रशासनिक सुधार; सूर राज्य का पतन।
2. अकबर का राज्यारोहण; प्रारम्भिक समस्याएँ, पानीपत का द्वितीय युद्ध, बैरम खाँ का संरक्षकत्व, 1556 से 1562 तक दरबारी राजनीति।
3. अकबर से अधीन मुगल साम्राज्य का विस्तार : उत्तरी भारत, दकन।
4. अकबर की धार्मिक एवं राजपूत नीतियाँ।
5. अकबर के प्रशासनिक सुधार, उसकी उपलब्धियों का मूल्यांकन, क्या वह मुगल साम्राज्य का वास्तविक निर्माता था?

इकाई 3 : मुगल साम्राज्य का वैभव काल (1605–1658)

1. जहाँगीर के अन्तर्गत मुगल साम्राज्य की राजनीति; नूरजहाँ की भूमिका।
2. राजपूतों एवं दक्षिणी राज्यों के साथ जहाँगीर के सम्बन्ध।
3. शाहजहाँ : दकन में विस्तार; राजपूतों से सम्बन्ध।
4. फारस के सफावी, मध्य एशिया के उजबेक एवं उसमानी तुर्क साम्राज्य के साथ शाहजहाँ के सम्बन्ध।
5. उत्तराधिकार का युद्ध – इसके कारण एवं घटनाएँ।

इकाई 4 मुगल साम्राज्य – चरमोत्कर्ष तथा संकट

1. औरंगजेब – राजपूत एवं धार्मिक नीतियाँ।
2. औरंगजेब – दक्षिण नीति एवं मराठों के साथ सम्बन्ध।
3. क्षेत्रीयता बनाम साम्राज्यवाद : औरंगजेब और जाट, सतनामी, बुन्देले।
4. औरंगज़ेबोत्तर समस्याएँ – नादिरशाह का आक्रमण।
5. मुगल साम्राज्य का पतन एवं औरंगजेब का उत्तरदायित्व।

इकाई 5 : मुगल काल का पुनरावलोकन

1. मुगलों के अन्तर्गत सांस्कृतिक विकास का विहंगम वृत्त।
2. मुगल उमरा वर्ग की संरचना एवं भूमिका।
3. मुगल प्रशासन – केन्द्रीय, प्रान्तीय, मनसबदारी प्रथा।
4. व्यापार एवं वाणिज्य – यूरोपीय वाणिज्यिक गतिविधियाँ।
5. मुगल कल के प्रमुख इतिहासकार।

संस्तुत पुस्तकें :

1. Rushbrook Williams : *An Empire Builder of the Sixteenth Century.*
2. R.P. Tripathi : *Rise and Fall of the Mughal Empire.*
3. Vincent Smith : *Akbar- The Architect of the Mughal Empire.*
4. Beni Prasad : *History of Jahangir.*
5. B.P. Saksena : *History of Shahjahan of Delhi*
6. J.N. Sarkar : *History of Aurangzeb, Vols I to V*
7. Zahiruddin Faruki : *Aurangzeb and his Times*
8. G.S.Sardesai : *New History of Marathas, Vols I & II*
9. Satish Chandra : *Medieval India, Part II.*
10. Harbans Mukhia : *The Mughals of India.*
11. हरिशचन्द्र वर्मा : *मध्यकालीन भारत।*
12. राम प्रसाद त्रिपाठी : *मुगल साम्राज्य का उत्थान और पतन।*